227) 11-6

आकाशवाणी के महिला कर्मचारी यदि चाहें तो आर. के नाला के जरावाओं (जिनमें महिलायें तथा बच्चे शामिल हैं) से संपर्क कर सकते हैं। जहाँ तक उपहार देने का प्रश्न है अण्डमान आदिम जनजाति ~~कि~~ विकास समिति द्वारा उन्हें समय-समय पर केला, नारियल, मड़ी एवं लाल सूती कपड़ों के टुकड़े उपहार स्वरूप दिये जाते हैं। जरावा जंगलों से अपना भोजन प्राप्त करते हैं और अपनी पुरानी एवं प्राकृतिक परम्परा में जीवन व्यतीत करते हैं। उनके स्वास्थ्य एवं प्राकृतिक जीवन यापन को ध्यान में रखते हुए उन्हें बाहरी खान पान की चीजें तथा सिले कपड़े उपहार में नहीं दिये जाते। सिले कपड़े पहनने का उन्हें अभ्यास नहीं है। इसलिये समय-समय पर लोगों को समाचार पत्रों एवं आकाशवाणी के द्वारा उन्हें बाहरी खान पान की वस्तुएं, सिले कपड़े आदि देने से और तस्वीरें खींचने से मना किया जाता है। कृपया इन बातों को ध्यान में रखते हुए उनसे सम्पर्क करें।

सधन्यवाद

भवदीय

(मुहम्मद)
कार्यपालक सचिव

प्रतिलिपि

1) सचिव (जनजाति कल्याण) अ. तथा नि. प्रशासन
2) निदेशक (जनजाति कल्याण) अ. तथा नि. प्रशासन
3) सहायक आयुक्त (जनकल्याण)

कार्यपालक सचिव